17 बैलगाड़ी का दाम

एक गाँव में भोलाराम नामक किसान रहता था। जैसा उसका नाम, वैसा उसका स्वभाव था। भोलाराम बहुत भोला था।

एक दिन भोलाराम अपनी बैलगाड़ी में भूसा लादकर मंडी में बेचने जा रहा था। रास्ते में उसे एक व्यापारी मिला, जिसका नाम धनीराम था।

''एक गाड़ी का क्या दाम है ?'' धनीराम ने पूछा।

''सात रुपये।'' भोलाराम ने भोलेपन से भूसे का दाम बताया।

''बहुत ज्यादा है।'' यह कहकर धनीराम चल दिया।

सौदा पटा नहीं, यह सोचकर भोलाराम मंडी की ओर चल पड़ा। वह थोड़ी ही दूर आगे गया था कि धनीराम ने आवाज दी, ''दाम ज्यादा है, पर कोई बात नहीं। चलो, खरीद लेते हैं। गाड़ी लेकर हमारे साथ चलो।''

भोलाराम बैलगाड़ी लेकर धनीराम के साथ उसके घर पहुँचा। भूसे को एक कोने में पलटकर उसने बैलों को हाँका। तभी धनीराम गाड़ी के सामने खड़ा हो गया।

''रुको भाई! गाड़ी कहाँ ले चले? मैंने गाड़ी भी खरीदी है।'' वह बोला।

''आपने तो केवल भूसा खरीदा है। सात रुपये में गाड़ी और बैल थोड़े ही मिलेंगे!'' हँसते हुए भोलाराम बोला।

''क्यों नहीं?'' धनीराम ने डांटा, ''हमने एक गाड़ी का दाम पूछा। तुमने सात रुपये बताए। मैंने तुम्हें पूरे सात रुपये दे दिए।''

''वह तो केवल भूसे का दाम था।''

''मैं कुछ नहीं जानता। अब खड़े क्यों हो? जाओ यहाँ से। मेरा वक्त बर्बाद मत करो।'' धनीराम डपटकर बोला। भोलाराम के होश उड़ गए। वह गिड़गिड़ाता रहा, पर धनीराम ने उसकी एक न सुनी। भोलाराम बेचारा भोलेपन में मारा गया। घर पहुँचकर उसने अपने बेटे को पूरी कहानी सुनाई।

''यह भी कोई बात हुई। मैं उसे ऐसा मजा चखाऊँगा कि याद रखेगा। आखिर मेरा नाम भी चतुरसेन है।'' बेटे ने कहा।

चतुरसेन पड़ोसी की बैलगाड़ी माँग लाया। उसमें भूसा लादकर वह मंडी ले चला। चौराहे पर उसे एक आदमी मिला।

''बहुत बढ़िया भूसा लिए जा रहे हो। एक गाड़ी का क्या दाम है?'' वही शब्द सुनकर चतुरसेन को लगा कि हो न हो, यह वही आदमी है, जिसने मेरे पिता को ठगा था।

''फसल अच्छी हुई, इसलिए दाम कम है। अब आपसे मोल-भाव क्या करना? आपका कोई छोटा बच्चा है?''

''हाँ, एक बेटा है। पर क्यों?''

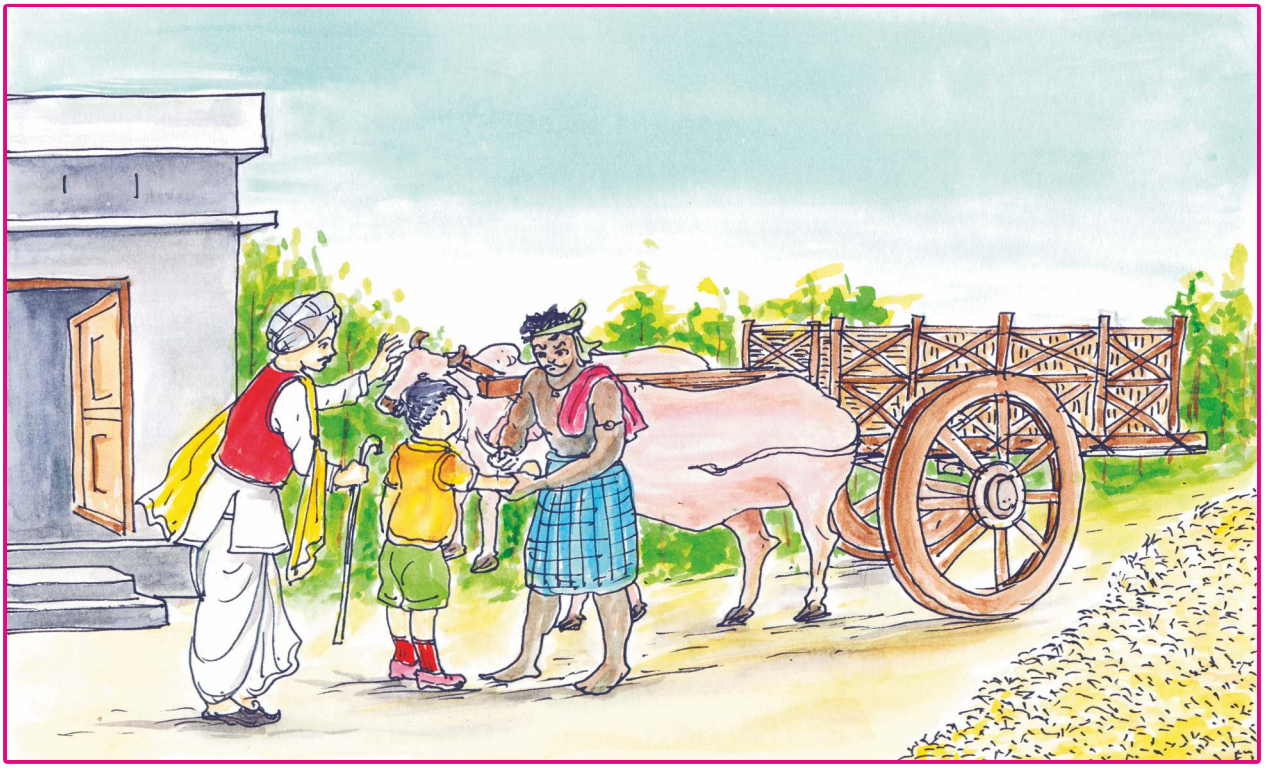

''सिक्के उसकी मुट्ठी में भरकर दे दीजिए, उसी से खुश हो जाऊँगा।''

धनीराम को अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ। बस मुट्ठीभर सिक्के! वह भी छोटे बच्चे के हाथ से! मन ही मन गद्‌गद होता वह चतुरसेन को अपने घर ले आया।

बाहर बंधे बैलों को देखते ही चतुरसेन ने पहचान लिया कि ये उसके ही बैल थे। पास ही उसकी बैलगाड़ी भी पड़ी थी। उसे पक्का विश्वास हो गया कि यह वही धनीराम है, जिसने उसके पिता को ठगा था। भूसे के पहले ढेर पर उसने अपना भूसा पलट दिया।

धनीराम अंदर गया और एक बच्चे को गोद में लिए बाहर आया।

''बेटा, मुट्ठी बढ़ाओ और इनके हाथ में सिक्के डाल दो'' वह बोला।

बच्चे ने जैसे ही हाथ बढ़ाया चतुरसेन ने उसकी नन्हीं कलाई कसकर पकड़ ली और चाकू निकालकर मुट्ठी काटने का ढोंग करने लगा।

''यह क्या ? छोड़ो इसका हाथ!'' धनीराम चिल्लाया।

''सेठजी, सिक्के मुट्ठी में भरकर देने को कहा था न!'' चतुरसेन ने पूछा।

''हाँ, पर.....'' घबराहट में धनीराम कुछ न बोल पाया।

''तो फिर सिक्कों के साथ मुट्ठी भी हमारी!''

''क्या बक रहे हो? मुट्ठी में सिक्कों का मतलब नहीं कि मुट्ठी भी काट लो। मतलब तो केवल सिक्कों से है।''

''केवल सिक्कों से मतलब न?''

''हाँ!''

''तो फिर एक गाड़ी भूसे का क्या मतलब है?''

धनीराम समझ गया कि वह फँस गया है। चतुरसेन अब भी चाकू कलाई पर रखे था।

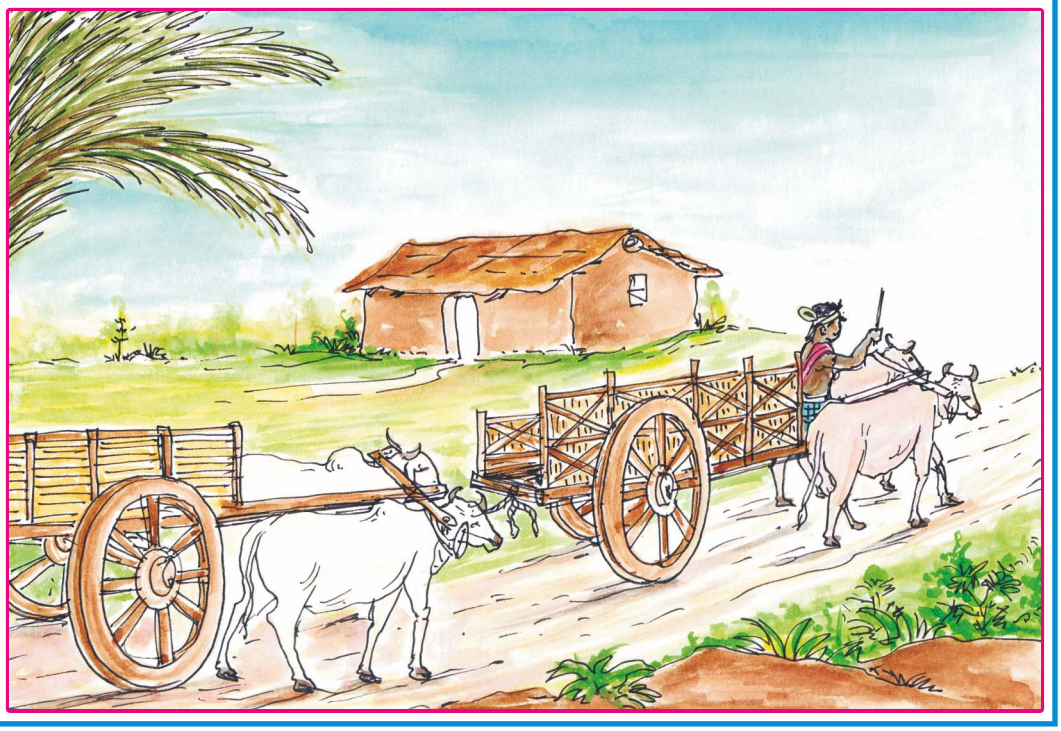

धनीराम उसके पैरों पर गिरकर क्षमा माँगने लगा।

''क्यों क्षमा करें? क्या आपने हमारे पिता जी की बात सुनी थी?''

''नहीं, नहीं! कुछ भी माँगो, हम देंगे पर हमारे बेटे को छोड़ दो।'' धनीराम गिड़गिड़ाया।

''तो दीजिए एक हजार रुपये!''

अब मरता क्या न करता! धनीराम दौड़कर अंदर से रुपए ले आया और चतुरसेन को देता हुआ बोला, ''ये रुपये लो और मेरे बेटे का हाथ छोड़ो।''

चतुरसेन ने हाथ छोड़ बच्चे का गाल थपथपाया और कहा, ''जाओ बेटा। अपने बापू से कहो, अब किसी भोले किसान को ठगने की कोशिश न करें।''

दोनों बैलगाड़ियों को लेकर चतुरसेन अपने घर की ओर चल पड़ा।

-नीलिमा सिन्हा

शब्दार्थ

चौराहा – जहाँ से चारों ओर के लिए रास्ता निकलता है।

कलाई – हाथ का वह भाग जहाँ से हथेली जुड़ती है।

क्षमा – माफी, **मंडी** – थोक बाजार ।

अभ्यास

1. अपने बारे में बताएँ-

(क) आपने कहाँ-कहाँ बैलगाड़ी देखी है?

.....

(ख) आपने मंडी में क्या-क्या देखा ?

.....

2. अपनी समझ से बताएँ -

(क) ''आखिर मेरा भी नाम चतुरसेन है।'' चतुरसेन ने ऐसा क्यों कहा होगा?

.....

(ख) किसान बैलगाड़ी का उपयोग क्यों करते हैं ?

.....

3. पाठ से बताएँ-

(क) भोलाराम मंडी क्यों जा रहा था ?

.....

(ख) भोलाराम के होश क्यों उड़ गये ?

.....

(ग) चतुरसेन ने भूसा का दाम कितना बताया ?

.....

(घ) चतुरसेन ने धनीराम के बेटे से क्या कहा ?

.....

4. इनके उल्टे अर्थ वाले शब्द बताएँ -

(क) लादना – .....

(ख) ज्यादा – .....

(ग) साथ-साथ – .....

(घ) रुकना – .....

(ङ) माँगना – .....

(च) बढ़िया – .....

(छ) खुश – .....

(ज) सामने – .....

5. दिए गए शब्दों को वाक्य में प्रयोग करें -

(क) बैल – .....

(ख) मंडी – .....

(ग) भोला – .....

(घ) बर्बाद – .....

(ङ) मजा – .....

6. खाली स्थानों को भरें –

(व्यापारी, फँस, मुट्ठी, किसान, भूसा)

(क) एक गाँव में भोलाराम नामक एक ..... रहता था ।

(ख) रास्ते में उसे एक ..... मिला, जिसका नाम धनीराम था।

(ग) आपने तो केवल ..... खरीदा है।

(घ) सिक्के उसकी ..... में भरकर दे दीजिए।

(ङ) धनीराम समझ गया कि वह ..... गया है।

7. सही वाक्य के आगे (√) चिह्न तथा गलत वाक्य के आगे (x) चिह्न लगाएँ–

(क) भोलाराम पड़ोसी की बैलगाड़ी लेकर मंडी जा रहा था। ( )

(ख) भोलाराम ने भूसे का दाम सात रुपये बताया। ( )

(ग) धनीराम सात रुपये में ही भूसा और बैलगाड़ी दोनों ही खरीदना चाहता था। ( )

(घ) धनीराम का बेटा चतुरसेन था। ( )

(ङ) चतुरसेन सचमुच में चतुर (चालाक) था। ( )

●●●